शव्वाल के छः रोज़ों की शुरूआत कब की जायेगी ?

[हिन्दी – Hindi – هندي]

इफ्ता और वैज्ञानिक अनुसंधान की स्थायी समिति

अनुवादः अताउर्रहमान ज़ियाउल्लाह

2011 - 1432

IslamHouse.com

﴿ متى يبدأ بصيام الست من شوال ﴾

« باللغة الهندية »

اللجنة الدائمة للبحوث العلمية والإفتاء

ترجمة: عطاء الرحمن ضياء الله

2011 – 1432

IslamHouse.com

بِسۡمِ ٱللَّهِ ٱلرَّحۡمَٰنِ ٱلرَّحِيمِ

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहीम

मैं अति मेहरबान और दयालु अल्लाह के नाम से आरम्भ करता हूँ।

إن الحمد لله نحمده ونستعينه ونستغفره، ونعوذ بالله من شرور أنفسنا، وسيئات أعمالنا، من يهده الله فلا مضل له، ومن يضلل فلا هادي له، وبعد:

हर प्रकार की हम्द व सना (प्रशंसा और गुणगान) अल्लाह के लिए योग्य है, हम उसी की प्रशंसा करते हैं, उसी से मदद मांगते और उसी से क्षमा याचना करते हैं, तथा हम अपने नफ्स की बुराई और अपने बुरे कामों से अल्लाह की पनाह में आते हैं, जिसे अल्लाह तआला हिदायत दे दे उसे कोई पथभ्रष्ट (गुमराह) करने वाला नहीं, और जिसे गुमराह कर दे उसे कोई हिदायत देने वाला नहीं। हम्द व सना के बाद :

शव्वाल के छः रोज़ों की शुरूआत कब की जायेगी ?

प्रश्नः

क्या छः रोज़ों को रमज़ान के महीन के बाद ईद के दिन के तुरंत पश्चात ही रखना आवश्यक है या कि ईद के शव्वाल के महीने में निरंतर कई दिनों के पश्चात रोज़ा रखना जाइज़ है, या नहीं ?

उत्तरः

उसके लिए ईदुल फित्र के तुरंत पश्चात ही रोज़ा रखना आवश्यक नहीं है बल्कि उसके लिए जाइज़ है कि उसके रोज़े का आरंभ ईद के एक दिन या कई दिनों के बाद करे, तथ वह उन दिनों का निरंतर रोज़ा रखे या अपनी आसानी और सुविधा के अनुसार शव्वाल के महीने में विभिन्न दिनों में रोज़ा रखे, इस विषय में मामले के अंदर विस्तार है, तथा शव्वाल के छः रोज़े अनिवार्य नहीं हैं, बल्कि ये सुन्नत हैं।

और अल्लाह तआला ही तौफीक़ प्रदान करने वाला है तथा अल्लाह तआला हमारे ईश्दूत मुहम्मद, आपकी संतान और साथियों पर दया और शांति अवतरित करे।

इफ्ता और वैज्ञानिक अनुसंधान की स्थायी समिति

शैख अब्दुल अज़ीज़ बिन अब्दुल्लाह बिन बाज़, शैख अब्दुर्रज़्ज़ाक़ अफीफी, शैख अब्दुल्लाह बिन गुदैयान, शैख अब्दुल्लाह बिन क़ऊद।

''फतावा स्थायी समिति'' (10/391) से उद्धृत